>

Title: Need to augment production of orange in Vidarbha region of Maharashtra by providing financial and technical support to the farmers of this region.

श्री दत्ता मेघे (वर्धा): मैं सरकार का ध्यान इस बात की ओर दिलाना चाहता हूं कि विदर्भ जिसे संतरे की भूमि कहा जाता है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से महाराष्ट्र में संतरा उत्पादन में लगातार कमी आ रही है जबकि देश के अन्य राज्यों में संतरा उत्पादन लगातार बढ़ रहा है । पिछले सीजन में देश का संतरा उत्पादन 10 मैट्रिक टन प्रति हेक्टेयर था जबकि महाराष्ट्र में यह 3.9 मैट्रिक टन था । महाराष्ट्र में 1 लाख 28 हजार हैक्टेयर पर संतरों का उत्पादन होता है । मुख्यतः यह अमरावती, नागपुर और वर्धा जिले में है । लेकिन दुर्भाग्य से मुझे कहना पड़ रहा है कि अभी नेशनल हॉर्टिकल्चर बोर्ड ने जो आंकड़े प्रकाशित किए हैं जिसमें संतरा उत्पादन में पंजाब प्रथम स्थान पर है जिसने प्रति हेक्टेयर 21 मेट्रिक टन संतरे का उत्पादन किया । महाराष्ट्र को चौथा स्थान मिला जहां संतरे का उत्पादन 3.9 मैट्रिक टन प्रति हैक्टेयर था ।

महाराष्ट्र में संतरा उत्पादन दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया था किंतु यह लक्ष्य साध्य नहीं हो सका, इसके कई कारण हैं जिसमें सिंचाई की कमी, अच्छे पौधों की कमी, फूड प्रोसेसिंग उद्योग का न होना और पुराने बागों को लेकर किसानों की उदासीनता । मेरा सरकार से निवेदन है कि विदर्भ के संतरा खेती को बचाने के लिए जल्द से जल्द कदम उठाने की जरूरत है जिसमें किसानों को आर्थिक और तकनीकी मदद, पुराने बागों के सुधार के लिए किसानों को प्रोत्साहन देना और फूड प्रोसेसिंग उद्योग को स्थापित करना प्रमुख बातें है ।